बजट 2015- महिलाओं के लिए क्यों नहीं है?

सौम्या तिवारी और प्राची साल्वे

तथ्यः

- 2015-16 के बजट में, पिछले वर्ष की तुलना में महिलाओं के लिए किए गये आबंटन में 19 प्रतिशत की कमी की गई है।
- महिला व बाल विकास मंत्रालय के कुल बजट आबंटन को आधे से भी कम कर दिया गया है।
- बलात्कार क्राइसिस केंद्रों की संख्या 660 से घटाकर 36 कर दी गई है।
- सामाजिक खण्ड के वित्तीय आबंटन में 16.3% (2014-15 अनुमानित बजट) व 15.06% (संशोधित अनुमान) की जगह केवल 13.7% आबंटन किया गया है।

आइए आंकड़ों पर एक नज़र डालें।

भारत में लिंग अनुकूल बजटः धनराशि में गिरावट 2015-16

- इस बार बजट में महिलाओं के लिए किए गए आबंटन में 19 प्रतिशत की कटौती की गई है। आइए पिछले पांच वर्षों में महिला संबंधी स्कीमों में किए गए बजट आबंटन को देखें।

पिछले वर्षों के बजट आबंटन (महिलाओं के लिए)

वर्ष	2009-10	2010-11	2011-2012	2012-13	2013-14	2014-15	2015-16
महिलाओं के लिए आबंटित संसाधन	56858	67750	78251	88143	97134	98030	79258

स्रोतः केंद्रीय बजट (करोड़ में)

ऊपर दी गई तालिका में आबंटन में एक नियमित सालाना बढ़ोतरी नज़र आती है। पर इस साल अचानक इसमें कमी दिखाई देती है। केंद्रीय सरकार ने इस वर्ष 2015-16 के बजट में सामाजिक स्कीमों पर किए जाने वाले खर्चों में कटौती की है।

लैंगिक असमानताः भारत विश्व के सबसे निचले देशों में

भारतीय महिलाओं की सामाजिक आर्थिक स्थिति वैश्विक स्तर पर कुछ अच्छी नज़र नहीं आती। यूएनडीपी (संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम) की लैंगिक असमानता सूची (जीआईआइ) के अनुसार 152 देशों में से भारत 127वें नम्बर पर है। इस लैंगिक असमानता सूची में महिलाओं के प्रजनन स्वास्थ्य, सशक्तिकरण और आर्थिक दर्जे का जायज़ा लिया जाता है। महिलाओं के स्वास्थ्य के गिरते आंकड़े और उनका पिछड़ा सामाजिक दर्जा इस अंतर्राष्ट्रीय गणना में अपना परोक्ष प्रभाव डालता है।

स्वास्थ्य

सरकार ने महिलाओं के लिए बजट में लगभग 20% कटौती की है यानी लगभग 20,000 करोड़ की कमी। और तो और इस आबंटन का भी बड़ा भाग सरकार जनसंख्या नियंत्रण और दो-बच्चों के मानक को लक्ष्य बनाकर 'प्रजनन व बाल स्वास्थ्य' के खाते में जमा कर देती है।

बाल लिंग अनुपात और मातृ मृत्युदर के गिरते आंकड़े

- देश में गिरता बाल लिंग अनुपात भी एक गंभीर विषय है। 0-4, 0-6 वर्ष वर्ग समूह में 1000 लड़कों पर 976 लड़कियों (1976) से 918 लड़कियां (2011) हैं।
- जहां तक माताओं के स्वास्थ्य का सवाल है तो सहस्राब्दि विकास लक्ष्यों में मातृ-मृत्युदर अनुपात हर एक लाख जीवित जन्मों पर 140 दर्ज किया गया। सन् 2010-12 में यह दर 178 थी और अनुमानित है कि यह संख्या 2015 में 141 तक पहुंच जाएगी।

महिला साक्षरता

- 2011 की जनगणना के अनुसार भारत में महिला साक्षरता दर केवल 64.6 प्रतिशत है।

आधारभूत सुविधाएं

- हालांकि बजट में आधारभूत सुविधाओं के लिए 70000 करोड़ रुपयों का आबंटन है पर औरतों के रोज़मर्रा के बोझ को घटाने के लिए कोई प्रावधान नहीं है।
- औरतों द्वारा किया जाने वाला अवैतनिक काम जैसे खाना पकाना, देखभाल, साफ़-सफ़ाई, चारा-पानी लाना, घर में सब्ज़ी उगाना, पशुओं की सेवा करना ऐसा काम है जिसे काम की श्रेणी से बाहर रखा जाता रहा है।
- इसी तरह पैदल चलने वाली औरतों के लिए फुटपाथ; सुरक्षित यातायात शौचालय; बुजुर्ग औरतों के लिए आश्रयघर जैसी अहम ज़रूरतों के लिए बजट में कोई प्रावधान नहीं है।

महिला व बाल विकास बजटः आधे से भी कम

- यूपीए सरकार के पिछले बजट आबंटन से इस बार के बजट में महिलाओं के लिए कार्यक्रम के लिए नियत धनराशि में कमी नज़र आई है।
- महिला व बाल विकास मंत्रालय का बजट आधे से भी कम किया गया है।
- राष्ट्रीय ग्रामीण रोज़गार योजना जैसे सफल कार्यक्रमों में भी कटौती की गई है। पुरानी स्कीमों में कटौती करने के साथ-साथ नई स्कीमों को भी पूरी तरह लागू नहीं किया गया है।

निर्भया फंडः 1000 करोड़ में से सिर्फ़ 321 करोड़ का इस्तेमाल

2012 के दिल्ली बलात्कार कांड के बाद भारत सरकार ने बजट 2013-14 में 1000 करोड़ की लागत वाले फंड की स्थापना की। लेकिन अभी तक इस राशि में से केवल 321.69 करोड़ रुपये का इस्तेमाल किया गया है। इस फंड का उपयोग महिलाओं को आपातकालीन सहयोग प्रदान करने के लिए 'जीपीएस सिस्टम' लागू करने के लिए पुलिस को प्रदान किया गया है।

सरकार के सामने महिला सुरक्षा एक बड़ी चुनौती है। रवैयों व व्यवहारों पर किए गये अनेक अध्ययन महिलाओं के साथ होने वाली हिंसा की एक दुखद तस्वीर पेश करते हैं। इस सब सच्चाइयों को देखते हुए बजट में कटौती भारत के लैगिंक विकास लक्ष्य पर गंभीर नकारात्मक प्रभाव डालेगी।

महिला व बाल विकास स्कीमों में कटौती

मंत्रालय	स्कीम	अंतरिम बजट 2014-15	बजट 2015-15
ग्रामीण विकास	राष्ट्रीय ग्रामीण रोज़गार मिशन	33364	2382.16
मानव संसाधन	सर्वशिक्षा अभियान	27634.7	2200
विकास मंत्रालय	मिड डे मील	13152	1461.4
	राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान	4965.5	367
महिला व बाल विकास	आईसीडीएस	18170.7	8345.77
	राजीव गांधी किशोरी सशक्तता स्कीम	689.65	10
	इंदिरा गांधी मातृत्व सहयोग योजना	400	433

स्रोतः बजट 2015-16 आंकड़े (करोड़ में) 10 करोड़ केन्द्रीय सरकार से आबंटित है। राज्यों को निर्भया फंड द्वारा धनराशि प्रदान की जाएगी।

महिलाओं के लिए नई स्कीम 2015-16

नाम	विवरण	मंत्रालय
महिला सुरक्षा के लिए निर्भया फंड	महिला सुरक्षा के लिए	वित्त
ऐपरेंटिस कॉलेज़ फ़ार विमेन	—	—
सुकन्या समृद्धि योजना	'बेटी पढ़ाओ, बेटी बचाओ अभियान' का हिस्सा	
'बेटी पढ़ाओ, बेटी बचाओ'	बालिका शिशु कल्याण शिक्षा के लिए	महिला व बाल विकास

स्रोतः बजट 2015-16 (आंकड़े करोड़ में)

सौम्या तिवारी *और* ***प्राची साल्वे*** *पत्रकार हैं।*